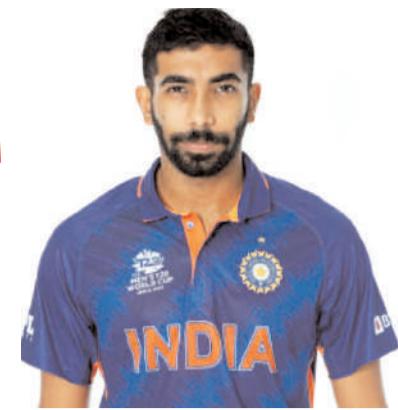


अवधनामा



सीएम योगी ने पुलिस की 2310 करोड़ की 144 योजनाओं का लोकार्पण किया

जनता के साथ करें अच्छा व्यवहार

तोहफा

- सीएम योगी की पुलिसकर्मियों को सलाह
- सभी जिलों में साइबर क्राइम थानों बाला यूपी पहला राज्य बना
- यूपी के बदलाव में पुलिस की अहम भूमिका है



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पुलिस को थाना, चौकी और सड़क पर अपाराजन के साथ अच्छा व्यवहार करना चाहिए। लोकतंत्र में संवाद से बढ़ा समस्या का भी समानकरण करें।

पुलिस वर्दी में प्यास से बाले करेंगे तो लोग खुश होते हैं। गली देसे से गलत संदेश जाता है। यह नन्हे भारत के नये यूपी की आधुनिक पुलिस है। यूपी

के बदलाव में पुलिस की अहम भूमिका है। मुख्यमंत्री बुधवार को गृह विभाग की 2310 करोड़ रुपये की लागत वाली 144 अवासीय एवं अनावासीय योजनाओं के शिळान्यास समारोह को लोकार्पण समारोह को संबोधित करना।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वाराणसी के प्रवासी भारतीय दिवस, प्रयागराज कुंभ, अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आए अंतर्थियों ने

अब नहीं दिखता है कोई गुंडा

विषय मंत्री सुरेश ज्ञाना ने कहा कि विपक्ष में रहने के दोनों भाँति योगी ने कहा कि थानेदार इलाके के बाहुली से दोस्ती कर सेता था।

सीओ की बाहुली से बात करने की हिम्मत नहीं होती थी। विपक्ष की राजनीति करना अपराध हो गया था। खुद को बचाने के लिए हमें बड़े अफसरों को फोन करना पड़ता था। हमारे कार्यकर्ताओं को पुलिस चुनाव में जरूर बेता लेती थी। अब थाना क्षेत्र में कोई गुंडा नहीं दिखता है। यह बदलाव अब देखने को मिला है। सरकार की इन्हें बानोने में पुलिस ने बड़ा सहयोग किया है। शालांके अभी थानेदारों को अच्छा व्यवहार की दीर्घिंग देना आवश्यक है।

इंद्रास्त्रकुम्ह मुहूर्ता का रहे हैं। यह नहं कार्य संस्कृति है। बी और सो ग्रेड के शहरों में अत्याधिक सुविधाओं वाली सबसे ऊंची इमारत पुलिस लाइसेंस के हॉस्टल और बैरक की है।



हादसा

- झारखंड के जामताड़ा जिले का है नामला
- कर्जियों की हालत नाजुक, अधिकारियों की टीम नौके पर दृग्दार

जामताड़ा। झारखंड के जामताड़ा जिले में यात्री चलती ट्रेन से रेलवे ट्रैक पर कूद गए। इसी बीच सामने से आ रही जाङ्ग-आसनसोल ट्रेन यात्रियों को गैंड दिया। जानकारी के अनुसार यात्रियों को गैंड दिया। शालांके अभी थानेदारों को अच्छा व्यवहार की दीर्घिंग देना आवश्यक है। बी और सो ग्रेड के शहरों में अत्याधिक सुविधाओं वाली सबसे ऊंची इमारत पुलिस लाइसेंस के हॉस्टल और बैरक की है।

की सूचना फैला दी। आनन-फानन में यात्री चलती ट्रेन से रेलवे ट्रैक पर कूद गए। इसी बीच सामने से आ रही जाङ्ग-आसनसोल ट्रेन यात्रियों को गैंड दिया। जानकारी के अनुसार यात्रियों को गैंड दिया। शालांके अभी थानेदारों को गैंड दिया। इनमें से कई की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि ये सभी अंग एक्सप्रेस में सवार थे। तभी किसी ने अंग एक्सप्रेस में आग लगाने

एक मिशन लेकर निकले हुए लोग हैं। इसलिए बीते 10 वर्ष में जो कुछ किया, वो आपने वाले 25 वर्ष की नींव है। मैंने भारत के कोने-कोने को विकसित बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प की सिद्धि के लिए शरीर का काण-कण, जीवन का क्षण-क्षण समर्पित है।

व्यास जी तहखाने की छत पर नमाज रोकने की मांग

चुनौती

- हिंदू पक्ष ने दायिल की नई याचिका
- व्यासीजी के तहखाने की छत पर नमाजियों की गीड़ पर आपति



नई दिल्ली। जानवापी परिसर के दीक्षिणी क्षेत्र में स्थित व्यास यादव की छत पर नमाजियों की गीड़ पर आपति की तहखाना की नई याचिका जिला अदालत में एक नई मार्ग दिया गया कि छत 500 साल पुरानी होने के कारण दुरुटना की आशंका है।

बादी राम प्रसाद रिंग की ओर से दायर याचिका में हिंदू पक्ष ने लोगों को दिन बाद आया, जिसने हिंदुओं को

छत पर नमाज पढ़ने से रोकने की भी मांग की है। इसमें छत की समस्या करने को कहा गया क्योंकि जल श्रद्धालु रोकने की तरह हुए पक्ष कर रहे हैं। आज व्यासीजी जिला अदालत में एक नई याचिका दायर की। इसमें कहा गया कि छत 31 जनवरी के अदेश को चुनौती देने वाली एक याचिका को खारिज करने के दो दिन बाद आया, जिसने हिंदुओं को

दिल्ली की तहखाने में पूजा करने की अनुमति दी थी।

जस्तिस रोहित रंजन अग्रवाल की एकलापिठ ने अंजुमन इंजामिया मरम्बद करने की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की। अपने आदेश में व्यासानीजी जिला अदालत ने जिला प्रशासन को भक्तों द्वारा की जाने वाली पूजा के लिए अवश्यक व्यवस्था करने की अनुमति दिया था। सीधी आई ने इस नामाजियों की गीड़ पर आपति को कहा कि वह अपना इस्तीफा देना लेकिन शाम को पार्टी नेताओं वे पर्यवेक्षकों की बैठक के बाद इस्तीफा वापस लेने का फैसला लिया। उहोने अपने इस्तीफे की घोषणा सुनवाई की थी। कहा कि वह अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री और राज्यपाल को सौंप रहे हैं। लेकिन शाम को यूर्टन लिया। उहोने वह भी कहा कि वह इस्तीफे के बावजूद पार्टी में रहे हैं और भविष्य की राजनीति अपने समर्थकों और चाहों वालों से विचार-विमर्श कर तय करेंगे। विक्रमादित्य सिंह ने अपने इस्तीफे की घोषणा से पहले अपनी ही सरकार को कहा कि वह अपने इस्तीफा मुख्यमंत्री और राज्यपाल को सौंप रहे हैं। उहोने कहा कि मंत्री रहते हुए भी उह बड़े बार नीचा दिखाने की कार्रियर की

विक्रमादित्य ने वापस लिया इस्तीफा

शिमला। हिमाचल प्रदेश की सुखविंद्र संघ सुकू सरकार में लोक नियंत्रण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार सुबह मंत्री पद से इस्तीफा देता, लेकिन शाम को पार्टी नेताओं वे पर्यवेक्षकों की बैठक के बाद इस्तीफा वापस लेने का फैसला लिया। उहोने अपने इस्तीफे की घोषणा सुनवाई की थी। कहा कि वह अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री और राज्यपाल को सौंप रहे हैं। लेकिन शाम को यूर्टन लिया। उहोने वह भी कहा कि वह इस्तीफे के बावजूद पार्टी में रहे हैं और भविष्य की राजनीति अपने समर्थकों और चाहों वालों से विचार-विमर्श कर तय करेंगे। विक्रमादित्य सिंह ने अपने इस्तीफे की घोषणा से पहले अपनी ही सरकार को कहा कि वह अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री और राज्यपाल को सौंप रहे हैं। उहोने कहा कि मंत्री रहते हुए भी उह बड़े बार नीचा दिखाने की कार्रियर की

विक्रमादित्य ने वापस लिया इस्तीफा

शिमला। हिमाचल प्रदेश की सुखविंद्र संघ सुकू सरकार में लोक

नियंत्रण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार सुबह मंत्री पद से इस्तीफा देता, लेकिन शाम को पार्टी नेताओं वे पर्यवेक्षकों की बैठक के बाद इस्तीफा वापस लेने का फैसला लिया। उहोने अपने इस्तीफे की घोषणा सुनवाई की थी। कहा कि वह अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री और राज्यपाल को सौंप रहे हैं। लेकिन शाम को यूर्टन लिया। उहोने वह भी कहा कि वह इस्तीफे के बावजूद पार्टी में रहे हैं और भविष्य की राजनीति अपने समर्थकों और चाहों वालों से विचार-विमर्श कर तय करेंगे। विक्रमादित्य सिंह ने अपने इस्तीफे की घोषणा से पहले अपनी ही सरकार को कहा कि वह अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री और राज्यपाल को सौंप रहे हैं। उहोने कहा कि मंत्री रहते हुए भी उह बड़े बार नीचा दिखाने की कार्रियर की

विक्रमादित्य ने वापस लिया इस्तीफा

शिमला। हिमाचल प्रदेश की सुखविंद्र संघ सुकू सरकार में लोक

नियंत्रण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने बुधवार सुबह मंत्री पद से इस्तीफा देता, लेकिन शाम को पार्टी नेताओं वे पर्यवेक्षकों की बैठक के बाद इस्तीफा वापस लेने का फैसला लिया। उहोने अपने इस्तीफे की घोषणा सुनवाई की थी। कहा कि वह अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री और राज्यपाल को सौंप रहे हैं। लेकिन शाम को यूर्टन लिया। उहोने वह भी कहा कि वह इस्तीफे के बावजूद पार्टी में रहे हैं और भविष्य की राजनीति अपने समर्थकों और चाहों वालों से विचार-विमर्श कर तय करेंगे। विक्रमादित्य सिंह ने अपने इस्तीफे की घोषणा से पहले अपनी ही सरकार को कहा कि वह अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री और राज्यपाल को सौंप रहे हैं

